खुशियां बांटें साथ-साथ

जिओ मेरे लाल

खुशप्रीत

अभिषेक

हरमन

दक्ष

किंग्स कालेज टॉन्टन ने भारत में रखा कदम

किंग्स कालेज के प्रतिनिधि जानकारी देते हुए। (परमजीत)

चंडीगढ़,16 जनवरी(आशीष): इंगलैंड के समरसैट स्थित प्रतिष्ठित को-एड सैकेंडरी डे और बोर्डिंग स्कूल किंग्स कालेज टॉन्टन ने भारत में पहला ब्रिटिश साझीदारी वाला स्कूल शुरू करने के लिए अपने जैसे ही शिक्षण संस्थान के साथ हाथ मिलाया है। लांचिंग की घोषणा करते हुए किंग्स कालेज ने 2016 सत्र के लिए चंडीगढ़ के स्टूडैंट्स से आवेदन आमंत्रित किए हैं। किंग्स कालेज इंडिया चंडीगढ़ के विद्यार्थियों के लिए शानदार मंच होगा जिसके जरिए वे ब्रिटिश एजुकेशन का पूरा फायदा उठा सकते हैं।

स्कूल के बारे में ज्यादा जानकारी हासिल करने के लिए होटल शिवालिक में 16 और 17 जनवरी को आयोजित होने वाले प्रीमियर स्कूल एग्जीबिशंस' के दौरान स्कूल के मुख्याध्यापक ब्रेडली सेल्स और उनकी टीम से मुलाकात कर सकते हैं। हरियाणा के रोहतक में किंग्स कालेज इंडिया, एन.सी.आर.-दिल्ली अगस्त 2016 में खुलने जा रहा है जो कक्षा एक से कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों के लिए होगा। हालांकि प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और स्कूल 6 से 13 वर्ष तक के बच्चों के नामांकन स्वीकार कर रहा है। यह स्कूल पूरी तरह ब्रिटेन के प्री-स्कूल सिस्टम पर आधारित होगा। लांचिंग पर स्ट्राइड्स चैरीटेबल ट्रस्ट के प्रैजीडैंट अंशुल ने कहा कि इस नए पूर्ण रूप से ब्रिटिश, साझीदारी वाले स्कूल को लांच करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर वह काफी खुश हैं।

आइडिया ने पंजाब व हरियाणा में प्रारंभ की 4जी सेवाएं

चंडीगढ़, 16 जनवरी (संघी): टैलीकॉम ऑप्रेटर आइडिया सैलुलर ने पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में अपनी 4जी सेवा लांच कर दी। इस लांच के साथ कंपनी की यह सेवा 7 टैलीकॉम सर्किल व 183 शहरों में पहुंच गई। कंपनी के उप-प्रबंध निदेशक अम्बरीश जैन के अनुसार पंजाब में इस सेवाओं में शामिल प्रमुख शहरों में चंडीगढ़, फिरोजपुर, होशियारपुर, कपूरथला, मोगा व पठानकोट तथा हरियाणा में अम्बाला, करनाल, हिसार, पानीपत, रोहतक व सोनीपत हैं। इसके बाद 31 जनवरी तक जालंधर, मुक्तसर, पटियाला, संगरूर, चरखीदादरी व पिंजौर में भी ये सेवाएं प्रारंभ हो जाएंगी।

ब्लूबर्ड वॉटर प्यूरीफायर के 3 वाटर सॉफ्टनेर्स लांच

चंडीगढ़, 16 जनवरी (संघी): ब्लूबर्ड वाटर प्यूरीफायर ने हार्ड वाटर को सॉफ्ट करने के लिए 3 तरह के वाटर सॉफ्टनेर्स लांच कर दिए। कंपनी के प्रबंध निदेशक आदित्य मित्तल के अनुसार इन वाटर सॉफ्टनेर्स में ऐसे विशिष्ट तरह की वाल्व हैं जो हार्ड वाटर को सॉफ्ट बनाती है।

इनमें मीगर, पैसबल एवं कोपियस नाम के ब्लू बर्ड के 3 प्रोडक्ट शामिल है जो 3000 लीटर तक हार्ड वाटर को सॉफ्ट कर सकता है। ब्लू बर्ड का वाटर सॉफ्टनेर्स पानी की कठोरता को 80 फीसदी तक कम कर देता है। वाटर सॉफ्टनेर्स की बड़ी खासियत सर्विस फ्रैंडली है। कंपनी अपने इन प्रोडक्ट की लाइफ-टाइम सर्विस मुफ्त देगी।

सीनेट के खाली 2 पदों के लिए होंगे चुनाव

■ 23 जनवरी को होगी सिंडीकेट बैठक ■ सत्र-2016 में होने वाले सीनेट चुनावों के शैड्यूल पर भी लगेगी मोहर ■ कुछ मामलों में बनेंगी अहम कमेटियां ■ कुछ कमेटियों की सिफारिशें भी होंगी लागू

चंडीगढ़, 16 जनवरी (रश्मि हंस): पंजाब यूनिवर्सिटी में खाली सीनेट के 2 पद भरने के लिए चुनाव होंगे। सीनेट की टर्म 31 अक्तूबर को खत्म होगी पर तब तक यह सीटें खाली न रहें इसके लिए चुनाव करवाने का फैसला किया गया है। उल्लेखनीय है कि सीनेटर प्रिंसीपल पुनीत बेदी कालेज से सेवानिवृत्त हो चुकी हैं जबकिसीनेटर जी.के. चतरथ का पिछले साल देहांत हो गया था। ऐसे में ये दोनों पद खाली हो चुके हैं। इन सीनेट के चुनावों के लिए रजिस्ट्रार बतौर रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त रहेंगे। इस मामले पर 23 जनवरी को होने वाली सिंडीकेट बैठक में मोहर लग जाएगी। इसके अलावा सत्र-2016 में होने वाले सीनेट चुनावों के शैड्यूल पर भी मोहर लगेगी। इस बार सिंडीकेट में कुल 33 मामले आएंगे। साथ ही कई अहम मुद्दों पर कमेटी बनाने का मामला और प्रोमोशन और नियुक्ति मामला भी आएगा। यह सिंडीकेट सत्र 2016 की शुरूआत की पहली सिंडीकेट है। इसमें नवनियुक्त सदस्य हिस्सा लेंगे।

जे.सी.एम. के सदस्य होंगे नोमिनेट : ज्वाइंट कंसल्टेटिव मशीनरी (जे.सी.एम.) में चेयरमैन के पद को सिंडीकेट के सदस्यों द्वारा नोमिनेट किया जाएगा। जबकि इसमें एक मैंबर भी सिंडीकेट का ही होगा। इसके अलावा रजिस्ट्रार, कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन, फाइनांस एंड डिवैल्पमैंट ऑफिसर व अन्य जी.सी.एम. के सदस्य होंगे।

ग्रीवैंसिज सैल : स्टूडैंट के लिए बने ग्रीवैंसिज सैल के मैकेनिज्म में बदलाव होंगे। मैकेनिज्म डीन स्टूडैंट वैल्फेयर प्रो. नवदीप गोयल की ओर से सबमिट करवाया गया है।

ब्याज कमेटी के मिनट्स : पी.यू. की ओर से ऑडिट और इंस्पैक्शन रिपोर्ट को बनाई गई कमेटी के मिनट्स आएंगे। कमेटी में 9.25 फीसदी ब्याज की बात हुई है जबकि सरकार का रेट सत्र 2013-14 के लिए जी.डी.एप, पी.एफ. 8.70 फीसदी है। बैठक 4 जनवरी को हुई है।

इंटरनैशनल हॉस्टल : इंटरनैशनल हॉस्टल के लिए जो रिसर्च स्कॉलर है उनके लिए फी स्टरकच 5 हजार मासिक तय किया गया है। इसमें से 75 फीसदी पैसे हॉस्टल की मैंटीनैंस के लिए रखे जाएंगे जबकि 25 फीसदी यूनिवर्सिटी के नॉन प्लान अकाऊंट में डिपोजिट होंगे।

सीनेट चुनावों का तय शैड्यूल

कांस्टीयूएंसी	चुनाव तिथि
टैक्नीकल एंड प्रोफैशनल कालेज, प्रिंसीपल-स्टाफ	12 सितम्बर
यूनिवर्सिटी एंड टीचिंग डिपार्टमैंट, प्रोफैसर रीडर एवं लैक्चरार	19 सितम्बर
एफिलिएटिड आर्ट्स कालेज हैड, प्रोफैसर, सीनियर लैक्चरार एवं लैक्चरार	25 सितम्बर, 2016

6 आर्डीनरी फैलो के चुनाव 31 अगस्त 2016 को होंगे जबकि इनके रिजल्ट भी उसी दिन घोषित कर दिए जाएंगे।

शैक्षणिक मुद्दे

- एम.बी.ए. एग्जीक्यूटिव, एम.कॉम. (ऑनर्स) इन यू.बी.एस., एम.बी.ए. प्रोग्राम के लिए स्पोर्ट्स कैटेगरी के स्टूडैंट के लिए कुछ गाइडलाइन में बदलाव किया गया है।
- सिमैस्टर सिस्टम के तहत विषय बदलने के लिए तिथि तय करने के मुद्दे पर मोहर लगाई गई है।
- पी.यू., पी.यू. से संबंधित कालेज व रीजनल सैंटर के स्पोर्ट्स पर्सन को स्पैशल इंसैंटिव देने के लिए कमेटी द्वारा दी गई सिफारिशों को लागू करने के लिए मोहर लगाई जाएगी।

आएंगे ये भी मुद्दे

- डी.यू.आई. ए.के. भंडारी का कार्यकाल खत्म हो रहा है। इस सीट के लिए प्रोपोज किए गए कुछ नामों में से किसी एक व्यक्ति के नाम पर मोहर लग जाएगी।
- डीन कालेज डिवैल्पमैंट काऊंसिल के पद का कार्यकाल भी खत्म हो रहा है। इसके लिए विज्ञापन दिया जा चुका है।
- पी.यू. कैश पॉलिसी में संशोधन करने का मामला भी मोहर लगने के लिए आएगा।
- सीनेटर प्रो. राजेश गिल ने सैक्सुअल हरासमैंट संबंधी मामले में एम.एच.आर.डी. की ओर से एक पत्र हाल ही में 11 जनवरी 2016 में लिखा गया है जिसमें माले के एग्जामिन करने को कहा गया है।
- कई असिस्टैंट प्रोफैसरों की कंफर्मेशन का मामला आएगा।
- एम.फिल., एल.एल.एम., एम.टैक. के उम्मीदवारों सर्टीफिकेट दिया जाएगा।
- श्री अरबिंदो कालेज ऑफ कॉमर्स में बी.कॉम. की 3 यूनिट और बी.बी.ए. की 2 यूनिट बढ़ाने की परमिशन पर मोहर लगेगी।

...तो रिश्तों से दूर भागने की कोशिश करते हैं लोग

चंडीगढ़, 16 जनवरी (एकता श्रेष्ठ): जिन्दगी में अगर रिश्तों की वजह से समस्या पैदा होती है तो लोग रिश्तों से दूर भागने की कोशिश करते हैं। कई बार रिश्तों में समस्या का कारण हम बन जाते हैं तो रिश्ते हमारा साथ छोड़ जाते हैं। इससे जीवन बेकार लगने लगता है और लोग उससे बचने के लिए सुसाइड का सहारा लेते हैं। कुछ यही दिखाया गया नाटक 'हो रहेगा कुछ न कुछ' में। पंजाब कला भवन में आयोजित नैशनल विंटर थिएटर फैस्टीवल तहत इस नाटक का मंचन किया गया। जिसे राजस्थान के खेला नाट्य संस्थान के कलाकारों ने इसे पेश किया। इसका नाट्य रूपांतरण मोहन महाऋषि ने किया और निर्देशन नम्रता शर्मा ने किया। नाटक की कहानी एक ऐसे परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। जिसमें मां और बेटी है और ये दोनों ही एक-दूसरे का सहारा हैं। जहां मां विधवा है, वहीं बेटी तलाकशुदा है। दोनों कई सालों से एक-दूसरे का साथ देते हुए साथ चल रही हैं। फिर भी उनके अंदर का खालीपन उन्हें कई बार झंझोरता रहता है। एक दिन बेटी अपनी जिन्दगी से तंग आगर मौत को गले लगाना का मन बना लेती है और मां सोचती है कि वह मजाक कर रही है इसके बाद भी वह बेटी को जिंदा रखने के लिए संघर्ष करती है उसे बहलाती है लेकिन अंत में वह अपनी बेटी को नहीं बचा पाती। कहानी के जरिए ये संदेश देने की कोशिश की गई है कि गलतियों का सुधार आत्महत्या करने में नहीं है। जीवन की लड़ाई को इंसान जीकर ही जीत सकता है ना कि सुसाइड करके। नाटक में मुख्य रूप से मां और बेटी के बीच के संवाद को प्रस्तुत किया गया है जो अपनी अपनी जिन्दगी से कहीं न कहीं हारे हुए हैं और समय के साथ एक-दूसरे को सहारा देने का प्रयास करते रहते हैं। (फोटो :परमजीत)

फॉर्च्यूनर कार में सवारों ने तोड़े 4 कारों के शीशे

सैक्टर-36 के रिहायशी इलाके में घर के बाहर खड़ी थीं गाड़ियां

चंडीगढ़, 16 जनवरी (संदीप कुमार): सैक्टर-36 के रिहायशी इलाके में घर के समीप खड़ी 4 कारों के शीशे तोड़कर आरोपी फरार हो गए। फॉर्च्यूनर कार में सवार होकर आए युवकों ने देर रात करीब 2.30 बजे इस वारदात को अंजाम दिया। वारदात स्थल के समीप घरों में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरों में आरोपियों की यह करतूत कैद हो गई है। पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज उनकी तलाश शुरू कर दी है। शिकायतकर्त्ता मलकीत ने पुलिस को बताया कि बीती रात करीब 2.30 बजे उन्होंने

घर के बाहर गाड़ियों के शीशे तोड़े जाने की आवाजें सुनीं। वह घर से बाहर निकला तो देखा कि 3 से 4 युवक गाड़ियों के शीशे रॉड से मारकर तोड़ रहे थे। मलकीत ने शोर मचाया तो आरोपी मौके से कार में सवार होकर फरार हो गए। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। (फोटो : सरवन)

आर्मी-डे पर किया शहीदों का सम्मान

चंडीगढ़,16 जनवरी (आशीष): सैक्टर-44 के सेंट जेवियर सैकेंडरी स्कूल में 68वां आर्मी-डे का आयोजन किया गया। इसमें स्कूली बच्चे शहीद सैनिक को श्रद्धांजलि देते हुए कविता और गीत पेश किए। शहीदों के लिए एक मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके साथ ही पठानकोट आतंकी हमले के दौरान शहीद हुए सैनिक को श्रद्धांजलि दी गई।

'भोजन से हमें जरूरत के मुताबिक प्रोटीन मिल जाता है यह एक मिथक'

कोलकाता यूनिवर्सिटी के महारानी कासिसवाड़ी कालेज में डिपार्टमैंट ऑफ फूड एंड न्यूट्रीशन की विभागाध्यक्ष डा. आनंदिता राय चक्रवर्ती ने बताया कितना जरूरी है रोजाना प्रोटीन हमारे लिए

चंडीगढ़, 16 जनवरी(अर्चना): प्रोटीन सभी के लिए जरूरी है। यह हमारे शरीर के आधारभूत ढांचे के विकास में कच्चा पदार्थ (अमीनो एसिड) मुहैया कराता है और साथ ही रोजाना के कार्य करने के लिए हमें स्फूर्ति भी देता है। हमारे सिर पर मौजूद बालों से लेकर पैरों के नाखूनों तक हर भाग की रचना प्रोटीन के अणु से होती है। पर सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि भारतीय लोग अपने शरीर की आवश्यकता के मुताबिक प्रोटीन की जरूरत का वैज्ञानिक विश्लेषण नहीं करते हैं जिसकी गणना कई कारकों पर निर्भर होती है।

कोलकाता यूनिवर्सिटी के महारानी कासिसवाड़ी कालेज में डिपार्टमैंट ऑफ फूड एंड न्यूट्रीशन की विभागाध्यक्ष डाक्टर आनंदिता राय चक्रवर्ती के अनुसार अधिकतर यह मानते हैं कि रोजाना के भोजन से हमें अपनी जरूरत के मुताबिक प्रोटीन मिल जाता है पर यह एक मिथक है। आज भी देश में काफी लोगों को यह पता ही नहीं है कि उन्हें रोजाना कितने प्रोटीन की जरूरत है। इंडियन काऊंसिल ऑफ मैडीकल रिसर्च (आई.सी.एम.आर.) के तहत नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ न्यूट्रिशन (एन.आई.एन.) का मानना है कि आमतौर पर एक व्यस्क को आदर्श शारीरिक वजन के हिसाब से 0.8-1.0 ग्राम प्रति किलोग्राम प्रोटीन की जरूरत होती है। भारतीय भोजन मुख्य रूप से शाकाहारी होता है। इसमें मौजूद अनाज में प्रोटीन की तुलना में कार्बोहाइड्रेट और फैट ज्यादा होता है।

2020 तक सबसे ज्यादा लोग मैटाबॉलिक सिंड्रोम व लाइफ स्टाइल संबंधी समस्याओं से होंगे पीड़ित: एक जनरल कंज्यूमर सर्वे (प्रोडिजी) से भारतीय भोजन में प्रोटीन संबंधित कई चौकाने वाली जानकारियां मिलती हैं। इसके अनुसार 10 में से 9 भारतीय जरूरत से कम प्रोटीन लेते हैं। कई दूसरे अध्ययन से यह पता चलता है कि लोगों के सुविधाजनक भोजन की ओर मुड़ने से प्रोटीन की कमी लगातार बढ़ रही है। फास्ट फूड या सुविधाजनक भोजन में कार्बोहाइड्रेट और सिंपल शूगर ज्यादा रहती है लेकिन उसमें प्रोटीन के तत्व कम होते हैं। इससे लाइफस्टाइल संबंधी परेशानी आती है। यह माना जा रहा है कि 2020 तक भारत में सबसे ज्यादा लोग मैटाबॉलिक सिंड्रोम और लाइफ स्टाइल संबंधी समस्याओं से पीड़ित होंगे।

यह हमारे देश का दुर्भाग्य है कि प्रोटीन की कमी आमतौर पर सभी वर्गों में है। गरीब लोग भौतिक साधनों से वंचित होने के कारण भोजन में प्रोटीन युक्त पदार्थ नहीं ले पाते और जिनके पास सब कुछ है वह समय की कमी के कारण फास्ट फूड की ओर रुख करते हैं। अब समय आ गया है कि हम भोजन में प्रोटीन युक्त पदार्थों शामिल करने पर ध्यान केंद्रित करें।

'हैंड्स ऑन हार्ट' क्लब करेगा दिल के इलाज में मदद

फोर्टिस के अभियान 'हैंड्स ऑन हार्ट क्लब' को लांच किया

चंडीगढ़, 16 जनवरी (अर्चना): आपातकाल से निपटने के लिए चंडीगढ़ में हैंड्स ऑन हार्ट क्लब लांच किया गया। प्लाजा में लांच अभियान में शहर के लोगों को शामिल किया जाएगा जो दिल से जुड़ी बीमारी में दिए जाने वाले प्राथमिक इलाज का प्रशिक्षण देंगे। ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर चंडीगढ़ डेविड लेलियोट एवं एस.पी. (संचार एवं कानून और व्यवस्था) यू.टी. पुलिस रोशन लाल ने फोर्टिस के अभियान 'हैंड्स ऑन हार्ट क्लब' लांच किया। इसमें ट्राईसिटी के निवासियों को बी.एल.एस. स्किल्स सिखाई जाएंगी और मैडीकल एमरजैंसी का सामना करने के लिए उनकी तैयारी बेहतर की जाएगी। फोर्टिस अब तक 8500 से ज्यादा लोगों को बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं फर्स्ट एड तकनीकों में प्रशिक्षण देने के बाद 'जैनरेशन ऑफ लाइफ सेवर्स' अभियान में भी शामिल कर चुका है। पिछले साल ही पंजाब एवं यू.टी. पुलिस के करीब 3000 कर्मचारियों को फोर्टिस से बी.एल.एस. स्किल्स में सर्टीफाइड प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा दर्जनों ट्राईसिटी स्कूलों के छात्र भी इन नियमित वर्कशॉप्स में शामिल हुए। 'हैंड्स ऑफ हार्ट क्लब' के लांच के बारे में आशीष भाटिया, सी.ओ.ओ.- नॉर्थ एवं ईस्ट, फोर्टिस हैल्थकेयर लि.ने कहा कि यह अभियान 'सेविंग एंड एनरिचिंग लाइफ' के फोर्टिस के विजन में बड़ा योगदान देगा।

'हैंड्स ऑन हार्ट क्लब' पर अपनी यात्रा के बारे में इस दिशा में काम करने वाले फोर्टिस हॉस्पिटल के दो डाक्टरों डा. परविंद्र चावला व डा.अरुण कुमार ने कहा, ''2007 में दो लोगों की छोटी टीम से शुरू करके हम आज 15 से अधिक मैडीकल एवं नर्सिंग कर्मचारियों का समूह बन गए हैं, जिनमें लोगों की जानकारी एवं विज्ञान की खोज के बीच के अंतर को दूर करने का पूरा उत्साह है, ताकि बहुमूल्य जिंदगियां बचाई जा सकें। (फोटो : सरवन)

महिला पुलिस स्टेशन में एस.एस.पी. ने सुनीं शिकायतें

पुलिस इंतजामों की खामी: ठंड में खड़े रहे शिकायतकर्त्ता

चंडीगढ़, 16 जनवरी (संदीप कुमार): सैक्टर-17 स्थित महिला पुलिस स्टेशन में शनिवार को जनता शिकायत निवारण शिविर लगाया गया। इस दौरान एस.एस.पी. डा. सुखचैन सिंह गिल ने यहां आए 300 शिकायतकर्त्ताओं की शिकायतें सुनीं। इस दौरान यहां घरेलू हिंसा, मारपीट, दहेज के लिए प्रताड़ित किए जाने जैसे संगीन मामलों की सुनवाई दोनों पक्षों को बुला कर की गई। इसके तहत 15 मामलों में तो दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमती से समझौता करवाया और 4

15 मामलों में मौके पर ही हुआ समझौता और 4 में दर्ज किए मामले

300 शिकायतकर्त्ताओं को सुना एस.एस.पी. ने

मामलों की सुनवाई के बाद एस.एस.पी., ने एफ.आई.आर. दर्ज करने के आदेश दिए।

ठंड में खड़ा रहना पड़ा शिकायतकर्त्ताओं को: शिविर के दौरान यहां महिला पुलिस स्टेशन के बाहर टैंट लगा कर लोगों की सुनवाई की जा रही थी लेकिन इंतजाम से अधिक लोग यहां पहुंचे थे। इस कारण कई घंटे कुछ शिकायतकर्त्ताओं को टैंट के बाहर ही इस ठंडी में खड़े रहकर बारी आने का इंतजाम करना पड़ा। यही कारण रहा कि शिकायतकर्त्ताओं को अपनी बात एस.एस.पी. तक पहुंचाने के लिए कड़ी ठंड झेलनी पड़ी। इस दौरान कई परिवार बच्चों सहित टैंट के बाहर ठंड सहते नजर आए।

प्रशासन की पॉल्यूशन की रिपोर्ट झूठ का पुलिंदा

चंडीगढ़, 16 जनवरी (आशीष): चंडीगढ़ आटो वैल्फेयर एसोसिएशन ट्राइसिटी के अध्यक्ष शशि शंकर तिवारी ने चंडीगढ़ पॉल्यूशन कंट्रोल कमेटी की रिपोर्ट जिसमें कहा गया है कि सिर्फ सात दिन में डीजल आटो चंडीगढ़ में न आने के कारण यहां का पॉल्यूशन कम हुआ है को चंडीगढ़ प्रशासन के झूठ का पुलिंदा बताया है। उन्होंने कहा कि यह केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को खुश करने के लिए है, क्योंकि जो प्रशासन ई-रिक्शा चलाने वाला है वह कंपनी मंत्री के रिश्तेदार की है, जो चंडीगढ़ में इस लांच करेगी। इसलिए डीजल आटो वालों को तंग किया जा रहा है। प्रशासन को यह मालूम होना चाहिए कि सात आटो के बराबर एक सी.टी.यू. की बस पॉल्यूशन छोड़ती है तो इसकी प्रशासन को चिंता क्यों नहीं होती। शहर में चलने वाली किसी भी सी.टी.यू. बस के पास पॉयूशन का सर्टिफिकेट नहीं है।

टैनिस कोच गजेंद्र का देहांत

चडीगढ़,16 जनवरी(लल्लन): शहर के टैनिस के कोच गजेंद्र सिंह का देहांत हो गया। शुक्रवार शाम उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल लाया गया था। गजेंद्र सिंह सिटी के टैनिस खिलाड़ियों में गज्जू सर के नाम से मशहूर थे। वह सैक्टर-10 स्थित सी.एल.टी.ए. में पिछले 4 साल से डायरैक्टर कोचिंग एंड डिवैल्पमैंट के हैड के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने भारत के पूर्व टैनिस कोच के अलावा सीरिया और बंगलादेश की टीमों व डेविस कप की टीमों के कोच भी रह चुके थे। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले गजेंद्र सिंह दिल्ली में बस गए थे लेकिन टैनिस के लिए उन्होंने चंडीगढ़ को अपना दूसरा घर बनाया।

डी.एस.ई. लोगों को ऊनी वस्त्र बांटते हुए।

डी.एन.ए. के कण में मिलेंगे नन्हे-मुन्नों को बीमार करने वाले जीन्स

चंडीगढ़, 16 जनवरी (अर्चना सेठी): नन्हे-मुन्नों को न्यूरोमैटाबोलिक बीमारियों से बचाने के फार्मूले का पहला फेज पूरा हो गया है। जल्द ही ऐसे जीन्स की पहचान का तरीका इजाद हो जाएगा, जो बच्चों के उन जीन्स को पकड़ लेंगे जो बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास जन्म के साथ ही बाधित कर देते हैं।

जीन्स की संरचना में होने वाली गड़बड़ी बच्चों को 100 के करीब ऐसी बीमारियां देती हैं जिनकी वजह से कई दफा उनके दिमाग का विकास भी रूक जाता है। कुछ बच्चों के शरीर के सैल्स के अंदर ही गंदगी इकट्ठा होने लगती है और उसकी वजह से उनके दिमाग, हड्डियों व लिवर इत्यादि काम करना बंद कर देते हैं। ऐसे बच्चों के मर्ज की सटीक पहचान करना जरूरी है, ताकि बच्चों को घातक बीमारियों से दूर किया जा सके। आल इंडिया इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंस (एम्स) के पैडिएट्रिक विभाग की जैनेटिक डिसीज विशेषज्ञ डा.मधुलिका काबरा ने पी.जी.आई. में शुरू हुई चिकित्सीय संगोष्ठी के दौरान विशेष बातचीत में बताया कि कुछ बच्चे तो दवा की एक गोली

बच्चों के 100 से अधिक न्यूरोमैटाबोलिक रोगों पर शुरू हुआ आई.सी.एम.आर. प्रोजैक्ट,

एम्स की 5 सैंटर्स की प्रयोगशाला के साथ तैयार कर रहा जीन्स जांच फार्मूला

मात्रा से ठीक हो जाते हैं जबकि कुछ बच्चों को दवा का पूरा कोर्स देने की जरूरत होती है।

आई.सी.एम.आर. के प्रोजैक्ट में किया जा रहा शोध : डा.मधुलिका ने बताया कि न्यूरोमैटाबोलिक बीमारियों की दुनिया में गहन अध्ययन की जरूरत है क्योंकि कई दफा बच्चों के ब्लड और यूरिन के सैंपल से मर्ज की सटीक पहचान नहीं हो सकती।

इंडियन कौंसिल ऑफ मैडीकल रिसर्च (आई.सी.एम.आर.) ने ऐसी बीमारियों की पहचान के लिए एक रिसर्च प्रोजैक्ट शुरू किया है। एम्स के साथ इस प्रोजैक्ट में मौलाना आजाद मैडीकल कालेज दिल्ली, हैदराबाद के सैंटर फॉर डी.एन.ए. फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक (सी.डी.एफ.डी.), लखनऊ के संजय गांधी पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंस (एस.जी.पी.जी.आई.) और गुजरात के जैनेटिक सैंटर मिलकर अध्ययन कर रहे हैं और बीमारियों की पहचान का फार्मूला तैयार कर रहे हैं।

लाइसोजोम स्टोरेज डिसीज पर किया जा रहा अध्ययन : डा.मधुलिका ने बताया कि जब बच्चों के शरीर में किसी खास किस्म के एनजाइम की कमी होती है तब उनके शरीर की गंदगी बाहर निकलने की बजाए बच्चे के सैल्स में ही एकत्रित होने लगती है। कई दफा यह दिमाग तो कई बार लीवर और सपलिन में एकत्रित हो जाती है। यही नहीं कुछ बच्चों की हड्डियों और आंखों तक में गंदगी जमा हो जाती है।

ऐसे में डाक्टर्स एनजाइम रिपलेसमेंट थैरेपी से या तो एनजाइम की कमी को पूरा करने के लिए दूसरे एनजाइम से बदलते हैं या बिमारी का इलाज करते हैं। प्रयोगशाला में अध्ययन पूरा होने के बाद ऐसी बीमारियों की सटीक पहचान का फार्मूला तैयार होने के साथ साथ उन जीन्स का रहस्य भी खुल जाएगा जो बच्चों को यह बीमारी देती हैं।

कार्बोहाइड्रेट की कमी से भी हो रही है बीमारी : कनाडा के हॉस्पिटल फॉर सिक चिल्ड्रन की पैडिएट्रिक विशेषज्ञ वन्यूरोमैटाबोलिक यूनिट की डायरैक्टर प्रो.इनग्रिड टीन और बैलजियम की लिंडा ने कहा कि न्यूरोमैटाबोलिक डिसीज बच्चों के शारीरिक विकास में बाधा डालने के साथ उन्हें दौरों की बीमारी भी देते हैं। ऐसे बहुत सी बीमारियां हैं जो खास किस्म केआहार से ठीक भी हो जाती हैं परंतु इसके लिए बीमारी की पहचान बहुत ही जरूरी है। हर रोज नए किस्म के न्यूरोमैटाबोलिक डिसीज की पहचान की जा रही है। हाल ही में ऐसी बीमारी खोजी गई है जो कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन की कमी के कारण बच्चों में होती है। ऐसी बीमारी के इलाज की ट्रीटमैंट पर अब काम किया जा रहा है।

पी.जी.आई. के पैडिएट्रिक न्यूरोमैटाबोलिक डिसीज विंग की डायरैक्टर प्रो.प्रतिभा सिंघी ने कहा कि अब तो खून कीएक बूंद सौ किस्म की बीमारियों को पहचान सकती है परंतुजल्द ही जैनेटिक टैस्टिंग के लिए भी पी.जी.आई. में शोध कार्य शुरू किया जाएगा।

हाई रिस्क प्रैग्नैंसी में ली जा सकती है प्लेसेंटा बायोप्सी

डा.मधुलिका ने बताया कि जिन महिलाओं का पहला बच्चा न्यूरोमैटाबोलिक डिसीज से ग्रस्त होता है उनके दूसरे बच्चे में भी ऐसी बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है ऐसे में दूसरी प्रैगनैंसी में महिला के प्लेसेंटा से टिशयु निकाल कर भी बीमारी के बाबत जांच की जा सकती है। डा.मधुलिका ने बताया कि फिलहाल ऐसे जैनेटिक टैस्ट विदेश की लैब में जांच के लिए भेजे जाते हैं जिनकी कीमत 75,000 रुपए के करीब होती है परंतु देश की लैब में फार्मूला इजाद होने के बाद बहुत कम दाम पर जैनेटिक टैस्ट किए जा सकेंगे।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को दी सहायता

चंडीगढ़,16 जनवरी (आशीष): सलाम जिंदगी चैरीटेबल ट्रस्ट ने शिक्षा विभाग और एन.एस.एस. सैल के सहयोग से वार्षिक ऊनी वितरण ड्राइव का आयोजन किया गया। कालोनी नं.-4 के गवर्नमैंट हाई स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को कपड़े व कंबल बांटे गए। इसमें डायरैक्टर स्कूल एजुकेशन (डी.एस.ई.) रुबिंद्र जीत सिंह बराड़ मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए। जी.एम.सी.सी.-20 के एन.एस.एस. सैल छात्रों की ओर से 160 परिवार के सदस्यों को कपड़े और कंबल बांटे गए। एन.एस.एस. के स्टेट लाइजनिंग ऑफिसर बिक्रम राणा ने बताया कि शहर के विभिन्न स्कूल्स में एन.एस.एस. सैल द्वारा गांवों और कालोनियों की तरफ से कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

छात्रों ने पड़ोसियों व अपने घरों से ऊनी कपड़े व कंबल एकत्रित किए थे। सलाम जिंदगी के संस्थापक अमरिंद्र सिंह ने बताया कि ये ड्राइव 17 नवम्बर से शुरू हुए थी जिसमें शहर की सामाजिक संस्थाओं ने सहयोग दिया। ड्राइव के दौरान रात को भी सडक किनारे सो रहे गरीब लोगों को कंबल बांटे गए।

चैरीटेबल ट्रस्ट की ओर से 20 हजार के करीब कंबल और 5 हजार के करीब ऊनी वस्त्र भी बांटे जा चुके हैं।